

राज्य स्तरीय पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम

पुलिस की भूमिका लोकतंत्र को सुरक्षित सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को लाल परेड मैदान स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र को सुरक्षित और सशक्त बनाने में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्र की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों का समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शस्त्र धारण करना केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के बहादुर जवानों ने कठिन परिस्थितियों का सामना



करते हुए प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह के नेतृत्व में प्रदेश ने यह उपलब्धि हासिल की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों और उनके

परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शहादत पर दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता राशि में से 50 प्रतिशत

पत्नी और 50 प्रतिशत बुजुर्ग माता-पिता को दिए जाएंगे। उन्होंने पुलिस विभाग में भर्ती, पदोन्नति और सुविधाओं पर भी जोर दिया।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश पुलिस के नौ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्राणों का बलिदान दिया। देशभर के 154 पुलिसकर्मियों के नाम स्मृति दिवस की सूची में शामिल हैं।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, जवानों और अन्य अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से भेंट कर उनके प्रति संवेदना व्यक्त की।



मुख्यमंत्री ने एम्स पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को एम्स पहुंचकर कोटा में मिनी बस दुर्घटना और ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में घायल मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से घायलों की स्वास्थ्य स्थिति, उपचार और

दवाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के परिजनों से भी बातचीत कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री ने एम्स प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में कोई कमी न रखी जाए और उन्हें बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है। उल्लेखनीय है कि उनके निर्देश पर कोटा दुर्घटना में घायल बैतूल के 14 मरीजों को उपचार के लिए एम्स भोपाल में भर्ती कराया गया है। वहीं, ग्वालियर से दो मरीजों को एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल लाया गया।

मुख्यमंत्री आज इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में होंगे शामिल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, 22 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबरस ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री इस अवसर पर मध्यप्रदेश में रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए उपलब्ध निवेश अवसरों, अधोसंरचना और राज्य की नीतियों की जानकारी उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों के साथ साझा करेंगे। सम्मेलन में ओडिशा, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

सम्मेलन के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन, मुख्य कार्यपालक

अधिकारियों का मंच और कारोबारी नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित होंगे। भारत-अमेरिका, भारत-जापान तथा भारत-यूरोपीय संघ के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल मंचों पर व्यापार, औद्योगिक सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। इस दौरान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

23 अक्टूबर को सम्मेलन में विशेष रसायन, पेट्रोकेमिकल, औद्योगिक अधोसंरचना, पर्यावरण, संयंत्र एवं मशीनरी, पंप, वाल्व और कृषि रसायन जैसे विषयों पर परिचर्चाएं होंगी। 24 अक्टूबर को भी प्रदर्शनी जारी रहेगी।

इंडिया केम-2026 मध्यप्रदेश में रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को सामने रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस क्षेत्र में निवेश से औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

टीबी उन्मूलन के साथ नशामुक्त भारत अभियान पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल:

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के प्रयासों के साथ नशामुक्त भारत अभियान को भी जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं और बच्चों को नशे के आर्थिक, सामाजिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। राज्यपाल बुधवार को एमपी स्टेट टीबी एसोसिएशन के 77वें टीबी सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित नशामुक्त भारत अभियान स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने माता-पिता से बच्चों को घर से ही नशे से दूर रहने के संस्कार देने का आह्वान किया। साथ ही संयमित जीवनशैली, पौष्टिक आहार और समुचित उपचार का महत्व समझाने की बात कही।



राज्यपाल ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान में मरीजों की जांच, उपचार और निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक मरीज तक सही जानकारी, दवाइयां और पौष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने टीबी रोगियों को सकारात्मक सोच और अनुशासित जीवनशैली के प्रति

जागरूक करने तथा अभियान को निरंतर चलाने पर बल दिया।

उन्होंने टीबी सील अभियान से जुड़े सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने अभियान के सहयोग के लिए 11 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की और जागरूकता

सामग्री पर आधारित किट का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में एमपी स्टेट टीबी एसोसिएशन के चेयरमैन जयपाल सचदेव ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी और अभियान से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।

बिजली चोरी और अवैध कनेक्शन के मामले में 15 प्रकरण दर्ज

नप्र, भोपाल : मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने रायसेन जिले के बरेली और ओबेदुल्लागंज संभाग में बिजली चोरी एवं अवैध कनेक्शन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। विशेष जांच अभियान के दौरान बरेली संभाग में छह और ओबेदुल्लागंज संभाग में नौ मामले सामने आए। इन मामलों में उपभोक्ताओं ने बकाया राशि जमा किए बिना और कंपनी की अनुमति के बिना काटे गए बिजली कनेक्शन दोबारा जोड़ लिए थे। कंपनी ने उपभोक्ताओं से बकाया राशि जमा कर नियमानुसार कनेक्शन जुड़वाने की अपील की है। बिना अनुमति कनेक्शन जोड़ना दंडनीय अपराध है।

प्रदेश के दो कलाकारों को राष्ट्रीय सम्मान निधि चोपड़ा और रविंद्र रॉय ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश के दो कलाकारों ने राष्ट्रीय कला मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। भोपाल में रहकर कला साधना कर रही निधि चोपड़ा को 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय की कलाकृति ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रेड प्राइज मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में कलाकारों को सम्मान प्रदान किए।

निधि चोपड़ा को उनकी सिरेमिक मूर्तिकला ‘टैंजिबल ड्रीम्स’ के लिए मूर्तिकला श्रेणी में पुरस्कार मिला। नई दिल्ली में जन्मी निधि वर्तमान में भोपाल में रहकर कला साधना कर रही हैं। उन्होंने जयपुर से मूर्तिकला में ललित कला स्नातक की पढ़ाई की है। उनकी कलाकृतियों में स्मृतियों और पहचान जैसे विषय प्रमुखता से उभरते हैं। वह सिरेमिक और मूर्तिकला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी रचनाएं ललित कला

अकादमी और भारत भवन के अकादम्योजनों में प्रदर्शित हो चुकी हैं। रविंद्र रॉय की कलाकृति ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रेड प्राइज से सम्मानित किया गया। यह छापांकन कला की प्रमुख विधा से जुड़ा आयोजन है। इस उपलब्धि से उनकी कलाकृति को राष्ट्रीय कला जगत में विशेष पहचान मिली है। 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 2,495 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। निर्णायक प्रक्रिया के बाद 270 कलाकृतियों का चयन किया गया और 20 कलाकारों को राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार दिए गए। समारोह में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। उन्होंने कला को कलाकारों की संवेदना, विचार और वर्षों की साधना की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने भारतीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय कला जगत से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को उचित पहचान दिलाने के प्रयासों पर जोर दिया।

अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी को होगी प्रकाशित

नप्र, भोपाल : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने बुधवार को निर्वाचन सदन, भोपाल में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 को लेकर बैठक की। उन्होंने पात्र और छूटे हुए मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाने में सहयोग की अपील की। झा ने राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बुथ लेवल एजेंट नियुक्त करने और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रारूप मतदाता सूची 12 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगी। दावे और आपत्तियां 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक प्रस्तुत की जा सकेंगी। विशेष अभियान 21 और 22 नवंबर तथा 5 और 6 दिसंबर को चलाए जाएंगे।

स्वामित्व योजना के तहत 1.60 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां पूरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत अब तक 1 लाख 60 हजार 230 रजिस्ट्रियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रदेश के सभी 55 जिलों में ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकानों और भूखंडों के अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों को स्वामित्व प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। रजिस्ट्रियों के मामले में छिदावाड़ा जिला 8,530 पंजीयन के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। रीवा में 7,563, सागर में 7,289, राजगढ़ में 6,285 और छतरपुर में 6,128 रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं। नरसिंहपुर में 6,042, सतना में 5,620, शिवपुरी में 5,131 और

विदिशा में 4,850 पंजीयन दर्ज किए गए हैं। भोपाल में 967 और इंदौर में 883 रजिस्ट्रियां पूरी हुई हैं। योजना के अंतर्गत ड्रॉन तकनीक से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों का सर्वेक्षण किया जाता है। इसके आधार पर अभिलेख तैयार कर ग्रामीणों को कानूनी स्वामित्व प्रदान किया जाता है। इससे संपत्ति के अधिकार स्पष्ट होने के साथ बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में मदद मिलती है। योजना के क्रियान्वयन में सारा ऐप और संपदा 2.0 का उपयोग किया जा रहा है। इन डिजिटल माध्यमों से संपत्ति के पंजीयन, अभिलेखों के संधारण और सत्यापन की प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है। इससे ग्रामीणों के वित्तीय सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है।

आशिमा मॉल फ्लाईओवर का निर्माण समय-सीमा में पूरा करें



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने आशिमा मॉल फ्लाईओवर का

निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आशिमा मॉल से बाबाईया गांव होते हुए सेज

अपोलो अस्पताल के पास नर्मदापुरम मार्ग को जोड़ने वाला यह फ्लाईओवर क्षेत्र के लोगों के सुगम आवागमन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

राज्यमंत्री गौर ने बुधवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आपसी समन्वय से निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने होशंगाबाद मार्ग स्थित आशिमा मॉल फ्लाईओवर

के निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने से क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा और आमजन को सुविधा मिलेगी। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित फ्लाईओवर की कुल लंबाई लगभग 1,183 मीटर होगी। इसमें 733 मीटर का मुख्य पुल तथा दोनों ओर लगभग 400 मीटर लंबी एप्रोच और सर्विस रोड शामिल हैं। पुल की चौड़ाई 15.5 मीटर निर्धारित की गई है।

अपर आयुक्त अक्षय तेम्रवाल का तबादला नगरीय संचालनालय में मिली पदस्थापना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश सरकार ने बुधवार शाम तीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए। इसके तहत भोपाल नगर निगम के अपर आयुक्त अक्षय तेम्रवाल को स्थानांतरित कर अपर आयुक्त, नगरीय विकास एवं आवास संचालनालय में पदस्थ किया गया है।

यह बदलाव भोपाल नगर निगम के नए आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के पदभार संभालने के बाद किया गया है।

अक्षय तेम्रवाल, रामप्रकाश अहिरवार से वरिष्ठ अधिकारी हैं। दोनों अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए राज्य सरकार ने यह प्रशासनिक बदलाव किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, तीन आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार दो अधिकारियों के नाम और उनकी नई पदस्थापना का विवरण नहीं दिया गया है।

एआई फिल्म ‘वंदे मातरम् और डॉ. हेडगेवार’ का उज्जैनी फिल्म महोत्सव में चयन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन और ‘वंदेमातरम्’ से जुड़े ऐतिहासिक संघर्ष पर आधारित एआई लघु फिल्म ‘वंदेमातरम् और डॉ. हेडगेवार’ का चयन उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल के चौथे संस्करण में प्रदर्शन के लिए हुआ है। फिल्म का निर्देशन और पटकथा लेखन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं

संचार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेन्द्र सिंह ने किया है। यह उनकी पहली एआई फिल्म है। फिल्म में ब्रिटिश शासन के दौरान डॉ. हेडगेवार के जीवन से जुड़े उन प्रसंगों को दिखाया गया है, जिनमें उन्होंने ‘वंदेमातरम्’ के उद्घोष और सम्मान के लिए संघर्ष किया था। इसकी कहानी ऐतिहासिक तथ्यों और संस्मरणों पर आधारित है। फिल्म की शुरुआत 1905 के बंग-भंग आंदोलन और ब्रिटिश

सरकार के रिस्ते सकूलर के दौर से होती है। इसमें 1907 की उस घटना का चित्रण है, जब नागपुर के नील सिटी हाईस्कूल में किशोर केशव बलिराम हेडगेवार ने ब्रिटिश स्कूल निरीक्षक के सामने विद्यार्थियों से ‘वंदेमातरम्’ का नारा लगवाया था। इसके अलावा, 1908 में बालाघाट जिले के रामपायली में दशहरे के अवसर पर दिए गए उनके भाषण की राजद्रोह के मुकदमे को भी दर्शाया गया है।

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेले ‘आईटीबी एशिया-2026’ में मध्यप्रदेश का पवेलियन विदेशी पर्यटकों और पर्यटन प्रतिनिधियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मरीना बे सैंड्स स्थित सैंड्स एक्सपोजे एंड कन्वेंशन सेंटर में पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर



पर्यटन सचिव एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. सहित अन्य

अधिकारी उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश पवेलियन को राज्य की समृद्ध विरासत, संस्कृति, वन्यजीव,

आध्यात्म, वेलनेस और सतत पर्यटन की थीम पर सजाया गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय आगंतुक वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का अनुभव ले रहे हैं। पारंपरिक आतिथ्य के तहत परोसी जा रही मुरैना की जीआई टैग प्राप्त गजक और रतलामी सेव भी विदेशी मेहमानों को आकर्षित कर रही हैं। तीन दिवसीय यह पर्यटन मेला 23 अक्टूबर तक चलेगा। इस

दौरान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की टीम सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रमुख दूर ऑपरेटरों, ट्रेवल एजेंटों और निवेशकों के साथ बैठकें कर रही है। इनका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय यात्रा पैकेजों में मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों को शामिल कराना और राज्य में पर्यटन निवेश को बढ़ावा देना है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की पहचान मजबूत होने की उम्मीद है।